SS – 121

III Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, November/December 2018
(Repeaters) (2014-15 Only)
HINDI LANGUAGE – III
Natak, Nibandh Aur Sankshepan

Time : 3 Hours | Max. Marks : 100

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक शब्द** या **एक वाक्य** में लिखिए । **(1×10=10)**

1) भोला ने होरी से भूसे के लिए कितने रुपय की माँग की ?
2) किसके भाग खोटे हैं ?
3) गाँव का पटवारी कौन है ?
4) गाय के पैसे के बदले भोला क्या ले जाता है ?
5) होरी नाटक के लेखक कौन हैं ?
6) गोबर की पत्नी का नाम क्या था ?
7) गाँव में पंड़ित कौन है ?
8) गाय के बछड़े का नाम क्या है ?
9) होरी के खेत में कौनसी फसल अच्छी हुई थी ?
10) 'गोदान' उपन्यास के लेखक कौन है ?

BMSCW

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(3×8=24)**

1) "आज उन सारे बलिदानों का यह पुरस्कार !"
2) मेरा गधापन था कि तुम्हारे बीच में बोला । तुमने खाया है, तुम भरो मैं क्यों अपनी जान दूँ ।
3) "भाभी, दिल कड़ा करो गोदान करा दो, दादा चले ।"
4) "जब तक अपनी जोड़ी लाकर अपने द्वार पर न बांधूँगा, तब तक मुझे चैन नहीं ।"
5) "समझ ले तू थाने गई तो मार ही डालूँगा ।"

P.T.O.

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (2×16=32)

1) '''होरी' नाटक किसानों की दशा का वास्तविक चित्रण है।'' इस कथन के पक्ष में अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

2) ''होरी'' नाटक की कथावस्तु लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

3) ''होरी'' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए । (2×7=14)

1) गोबर ।

2) हीरा ।

3) पटेश्वरी ।

BMSCW

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए । (1×10=10)

1) प्राकृतिक प्रकोप ।

2) घनसंचार माध्यम ।

VI. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए । 10

निरंतर अभ्यास इंसान को परिश्रमी बना देता है । फिर जीवन में कुछ भी करना असंभव नहीं होता । इसको हम इस प्रकार भी कह सकते हैं कि इंसान अपनी लगन से निरंतर चलता रहे तो एक-ना-एक दिन लक्ष्य को ज़रूर पा सकता है । कुछ कर दिखाने के लिए केवल दृढ़ निश्चय ही नहीं निरंतर परिश्रम और अभ्यास की ज़रूरत होती है । जिस प्रकार कुआँ प्यासे के पास नहीं बल्की प्यासे को कुएँ के पास जाना पड़ता है । निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है । कहावत है कि रगड़ने से पत्थर में आग और तिलों से तेल निकाला जा सकता है । सामान्य बुद्धि, शक्ति और स्वल्प साधनों वाला इंसान भी कुछ करने की ठान ले और करता रहे तो चमत्कार हो जाया करते हैं ।